सीएसए में तीन दिवसीय होगा राष्ट्रीय सम्मेलन, कृषि वैज्ञानिक मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबन्धन पर करेंगे मंथन

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर एवं मृदा संरक्षण सोसायटी ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दिनाँक 18-20 अक्टूबर, 2024 को ह्यह्यमृदा, जल एवं ऊर्जा के प्रबंधन द्वारा सतत कृषि और आजीविका सुरक्षाह्लह्ल विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर में किया जा रहा है, इस संगोष्ठी में देश भर से लगभग 300 कृषि वैज्ञानिक, प्रशासक,योजनाकार, प्रसार कार्यकर्ता एवं अन्य विद्धतजन प्रतिभाग कर कृषकों की समस्याओं के विभिन्न आयामों एवं रणनीति पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने बताया कि भारतीय मृदा संरक्षण समिति यू पी चैप्टर तथा विश्वविद्यालय के भूमि एवं जल प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय 32वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में कैलाश भवन के प्रेक्षागृह में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन टिकाऊ कृषि और आजीविका सुरक्षा हेतु मृदा जल और ऊर्जा प्रबंधन विषय पर आयोजित किया जा रहा है। डॉक्टर कुमार ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी एवं अन्य अतिथियों

द्वारा आज दिनांक 18 अक्टूबर 2024 को प्रातः 10.30 बजे विश्वविद्यालय स्थित कैलाश भवन में संपन्न होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की जाएगी। उन्होंने बताया कि उद्घाटन सत्र के उपरांत तकनीकी सत्र तीन कक्षों में प्रारंभ होगा। जिसमें देश एवं प्रदेश के मृदा एवं जलप्रबंधन के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण करेंगे। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के लगभग 300 से अधिक वैज्ञानिक तथा प्रगतिशील किसान उपस्थित रहेंगे तथा इस अवसर पर मृदा एवं जल संरक्षण पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस अवसर पर डा.टीबीएस राजपूत, अध्यक्ष एससीएसआई, नई दिल्ली, डा0 एस0एस0 ग्रेवाल, पूर्व निदेशक, पीएयू, लुधियाना,डा0 आर0के0 यादव, निदेशक, सीएसएसआई करनाल, डा0 नीलम पटेल, नीति आयोग, नई दिल्ली आदि वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित रहेंगे।

सत्य का असर समाचार पत्र

Friday 18th October 2024 | jksingh.hardoi@gmail.com | website: ?????? ???? 9956834016

सीएसए में तीन दिवसीय होगा राष्ट्रीय सम्मेलन, कृषि वैज्ञानिक मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबन्धन पर करेंगे मंथन

जितेंद्र सिंह पटेल पत्रकार सत्य का असर समाचार पत्र

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर एवं मृदा संरक्षण सोसायटी ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दिनाँक 18-20 अक्टूबर, 2024 को "मृदा, जल एवं ऊर्जा के प्रबंधन द्वारा सतत् कृषि और आजीविका सुरक्षा" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर में किया जा रहा है, इस संगोष्ठी में देश भर से लगभग 300 कृषि वैज्ञानिक, प्रशासक,योजनाकार, प्रसार कार्यकर्ता एवं अन्य विद्धतजन प्रतिभाग कर कृषकों की समस्याओं के विभिन्न आयामों एवं रणनीति पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने बताया कि भारतीय मृदा संरक्षण समिति यू पी चैप्टर तथा विश्वविद्यालय के भूमि एवं जल प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय 32वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में कैलाश भवन के प्रेक्षागृह में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन टिकाऊ कृषि और आजीविका सुरक्षा हेतु मृदा जल और ऊर्जा प्रबंधन विषय पर आयोजित किया जा रहा है। डॉक्टर कुमार ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी एवं अन्य अतिथियों द्वारा आज दिनांक 18 अक्टूबर 2024 को प्रातः 10.30 बजे विश्वविद्यालय स्थित कैलाश भवन में संपन्न होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की जाएगी। उन्होंने बताया कि उद्घाटन सत्र के उपरांत तकनीकी सत्र तीन कक्षों में प्रारंभ होगा। जिसमें देश एवं प्रदेश के मृदा एवं जलप्रबंधन के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण करेंगे। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के लगभग 300 से अधिक वैज्ञानिक तथा प्रगतिशील किसान उपस्थित रहेंगे तथा इस अवसर पर मृदा एवं जल संरक्षण पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस अवसर पर डा.टीबीएस राजपूत, अध्यक्ष एससीएसआई, नई दिल्ली, डा0 एस0एस0 ग्रेवाल, पूर्व निदेशक, पीएयू, लुधियाना,डा0 आर0के0 यादव, निदेशक, सीएसएसआई करनाल, डा0 नीलम पटेल, नीति आयोग, नई दिल्ली आदि वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित रहेंगे।

दैनिक जागरण
18/10/2024

मृदा, जल और ऊर्जा प्रबंधन पर आज से मंथन

जासं, कानपुर : सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुक्रवार से तीन दिन की राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू हो रही है जिसमें, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि और आजीविका सुरक्षा पर चर्चा की जाएगी। संगोष्ठी में केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. राजेंद्र कुमार यादव समेत देश के प्रमुख कृषि विज्ञानी शामिल हो रहे हैं।

सीएसए के डीन वानिकी डा. मुनीश कुमार ने बताया कि मृदा, जल और ऊर्जा प्रबंधन की टिकाऊ कृषि और आजीविका सुरक्षा में अहम भूमिका है। इसी पर होने जा रहे राष्ट्रीय संगोष्ठी में 300 कृषि विज्ञानी शामिल होंगे।

CSA में राष्ट्रीय सम्मेलन

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 18/10/2024

kanpur@inext.co.in

KANPUR (17 Oct): सीएसए यूनिवर्सिटी में 18 से 20 अक्टूबर तक 'मृदा, जल एवं ऊर्जा के प्रबंधन द्वारा सतत् कृषि और आजीविका सुरक्षा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन होगा. इसमें देशभर से लगभग 300 कृषि वैज्ञानिक, प्रशासक, योजनाकार, प्रसार कार्यकर्ता प्रतिभाग करेंगे. जिसमें कृषकों की समस्याओं के विभिन्न आयामों एवं रणनीति पर चर्चा की जाएगी.

32वां राष्ट्रीय सम्मेलन

राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने बताया कि भारतीय मृदा संरक्षण समिति यूपी चैप्टर तथा विश्वविद्यालय के भूमि एवं जल प्रबंधन डिपार्टमेंट के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय 32वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के नेतृत्व में किया जाएगा. मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना होंगे. वह 18 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे विश्वविद्यालय स्थित कैलाश भवन में शुभारंभ करेंगे. अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह करेंगे. सम्मेलन में डॉ. टीबीएस राजपूत, डॉ. एसएस ग्रेवाल, डॉ. आरके यादव, डॉ. नीलम पटेल आदि वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित रहेंगे.

राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • शुक्रवार • 18 अक्टूबर • 2024

सीएसए में कृषक समस्याओं पर तीन दिन होगा मंथन

पुर (एसएनबी)। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं मृदा संरक्षण ायटी ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 18 अक्टूबर से तीन दिवसीय मृदा, जल ऊर्जा के प्रवंधन द्वारा सतत् कृषि और आजीविका सुरक्षा विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का ाजन किया जा रहा है। कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी में देश भर से लगभग 300 वैज्ञानिक, प्रशासक, योजनाकार, प्रसार कार्यकर्ता एवं अन्य विद्धतजन प्रतिभाग कर कृषकों की ्याओं के विभिन्न आयामों एवं रणनीति पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक डॉ. मुनीश र ने वताया कि तीन दिवसीय 32वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. द कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कैलाश भवन के प्रेक्षागृह में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने वताया ह राष्ट्रीय सम्मेलन टिकाऊ कृषि और आजीविका सुरक्षा के लिये मृदा, जल और ऊर्जा प्रवंधन र पर आयोजित किया जा रहा है। डॉ. कुमार ने वताया कि सम्मेलन के मुख्य अतिथि विधानसभा क्ष सतीश महाना एवं अन्य अतिथियों द्वारा 18 अक्टूवर को सुवह 10.30 वजे कैलाश भवन में न होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की जाएगी। उन्होंने वताया उद्घाटन सत्र के उपरांत तकनीकी सत्र तीन कक्षों में प्रारंभ होगा। जिसमें देश एवं प्रदेश के मृदा एवं प्रवंधन के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण करेंगे। उन्होंने वताया कि मृदा एवं संरक्षण पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित भी किया ा।

अमर भारती

एक उम्मीद

4 प्रदेश, 06 संस्करण

5, पृष्ठः 12, मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2024 शक सम्वत् 1946,

राष्ट्रीय सम्मेलन में कृषि वैज्ञानिक करेंगे मंथन

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए एवं मृदा संरक्षण सोसायटी ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 18-20 अक्टूबर को ''मृदा, जल एवं ऊर्जा के प्रबंधन द्वारा सतत् कृषि और आजीविका सुरक्षा'' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर में किया जा रहा है, इस संगोष्ठी में देश भर से लगभग 300 कृषि वैज्ञानिक, प्रशासक,योजनाकार, प्रसार कार्यकर्ता एवं अन्य विद्धतजन प्रतिभाग कर कृषकों की समस्याओं के विभिन्न आयामों एवं रणनीति पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने बताया कि भारतीय मृदा संरक्षण समिति यू पी चैप्टर तथा विश्वविद्यालय के भूमि एवं जल प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय 32वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में कैलाश भवन के प्रेक्षागृह में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन टिकाऊ कृषि और आजीविका सुरक्षा हेतु मृदा जल और ऊर्जा प्रबंधन विषय पर आयोजित किया जा रहा है। डॉक्टर कुमार ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं अन्य अतिथियों द्वारा 18 अक्टूबर को प्रातः 10.30 बजे विश्वविद्यालय स्थित कैलाश भवन में संपन्न होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की जाएगी। उन्होंने बताया कि उद्घाटन सत्र के उपरांत तकनीकी सत्र तीन कक्षों में प्रारंभ होगा। जिसमें देश एवं प्रदेश के मृदा एवं जलप्रबंधन के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण करेंगे। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के लगभग 300 से अधिक वैज्ञानिक तथा प्रगतिशील किसान उपस्थित रहेंगे तथा इस अवसर पर मृदा एवं जल संरक्षण पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस अवसर पर डा.टीबीएस राजपूत, अध्यक्ष एससीएसआई, नई दिल्ली, डा0 एस0एस0 ग्रेवाल, पूर्व निदेशक, पीएयू, लुधियाना,डा0 आर0के0 यादव, निदेशक, सीएसएसआई करनाल, डा0 नीलम पटेल, नीति आयोग, नई दिल्ली आदि वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित रहेंगे।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

-290 शुक्रवार,18 अक्टूबर 2024 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

सीएसए में तीन दिवसीय होगा राष्ट्रीय सम्मेलन, कृषि वैज्ञानिक मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबन्धन पर करेंगे मंथन

रहस्य संदेश ब्यूरो

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर एवं मृदा संरक्षण सोसायटी ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दिनाँक 18–20 अक्टूबर, 2024 को ''मृदा, जल एवं ऊर्जा के प्रबंधन द्वारा सतत् कृषि और आजीविका सुरक्षा'' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर में किया जा रहा है, इस संगोष्ठी में देश भर से लगभग 300 कृषि वैज्ञानिक, प्रशासक,योजनाकार, प्रसार कार्यकर्ता एवं अन्य विद्धतजन प्रतिभाग कर कृषकों की समस्याओं के विभिन्न आयामों एवं रणनीति पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने बताया कि भारतीय मृदा संरक्षण समिति यू पी चैप्टर तथा विश्वविद्यालय

के भूमि एवं जल प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय 32वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में कैलाश भवन के प्रेक्षागृह में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन टिकाऊ कृषि और आजीविका सुरक्षा हेतु मृदा जल और ऊर्जा प्रबंधन विषय पर आयोजित किया जा रहा है। डॉक्टर कुमार ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी एवं अन्य अतिथियों द्वारा आज दिनांक 18 अक्टूबर 2024 को प्रात: 10.30 बजे विश्वविद्यालय स्थित कैलाश भवन में संपन्न होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की जाएगी। उन्होंने बताया कि उद्घाटन सत्र के उपरांत तकनीकी सत्र तीन कक्षों में प्रारंभ होगा। जिसमें देश एवं प्रदेश के मृदा एवं जलप्रबंधन के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण करेंगे। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के लगभग 300 से अधिक वैज्ञानिक तथा प्रगतिशील किसान उपस्थित रहेंगे तथा इस अवसर पर मृदा एवं जल संरक्षण पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस अवसर पर डा.टीबीएस राजपूत, अध्यक्ष एससीएसआई, नई दिल्ली, डा0 एस0एस0 ग्रेवाल, पूर्व निदेशक, पीएयू, लुधियाना,डा0 आर0के0 यादव, निदेशक, सीएसएसआई करनाल, डा0 नीलम पटेल, नीति आयोग, नई दिल्ली आदि वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित रहेंगे।

मौसम
अधिकतम तापमान 33.c
27.c न्यूनतम तापमान
बाजार
ोना 73.840g
ांदी 87.000kg
ेंसेक्स 81,053.19

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज

04 भेदभाव से ग्रस्त महिला जनप्रतिनिधि, नेतृत्व पदों में महिलाओं की स्वीकार्यता सहज नहीं | जन्नत ज़ुबैर की पोस्ट पर थम गई

र्ष :10 | अंक :252 | लखनऊ से प्रकाशित | लखनऊ ,शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ : 08

राष्ट्रीय सम्मेलन में कृषि वैज्ञानिक मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबन्धन पर करेंगे मंथन

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर , सीएसए एवं मृदा संरक्षण सोसायटी ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 18-20 अक्टूबर को मृदा, जल एवं ऊर्जा के प्रबंधन द्वारा सतत कृषि और आजीविका सुरक्षा विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर में किया जा रहा है, इस संगोष्ठी में देश भर से लगभग 300 कृषि वैज्ञानिक, प्रशासक,योजनाकार, प्रसार कार्यकर्ता एवं अन्य विद्धतजन प्रतिभाग कर कृषकों की समस्याओं के विभिन्न आयामों एवं रणनीति पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने बताया कि भारतीय मृदा संरक्षण समिति यू पी चैप्टर तथा विश्वविद्यालय के भूमि एवं जल प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय 32वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में कैलाश भवन के प्रेक्षागृह में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन टिकाऊ कृषि और आजीविका सुरक्षा हेतु मृदा जल और ऊर्जा प्रबंधन विषय पर आयोजित किया जा रहा है। डॉक्टर कुमार ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं अन्य अतिथियों द्वारा 18 अक्टूबर को प्रातः 10.30 बजे विश्वविद्यालय स्थित कैलाश भवन में संपन्न होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की जाएगी। उन्होंने बताया कि उद्घाटन सत्र के उपरांत तकनीकी सत्र तीन कक्षों में प्रारंभ होगा। जिसमें देश एवं प्रदेश के मृदा एवं जलप्रबंधन के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण करेंगे। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के लगभग 300 से अधिक वैज्ञानिक तथा प्रगतिशील किसान उपस्थित रहेंगे तथा इस अवसर पर मृदा एवं जल संरक्षण पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित भी किया जाएगा।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 108 कानपुर, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

राष्ट्रीय सम्मेलन में कृषि वैज्ञानिक मृदा जल एवं ऊर्जा प्रबन्धन पर करेंगे मंथन

कानपुर । सीएसए, एवं मृदा संरक्षण सोसायटी ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 18-20 अक्टूबर को ''मृदा, जल एवं ऊर्जा के प्रबंधन द्वारा सतत् कृषि और आजीविका सुरक्षा'' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर में किया जा रहा है, इस संगोष्ठी में देश भर से लगभग 300 कृषि वैज्ञानिक, प्रशासक,योजनाकार, प्रसार कार्यकर्ता एवं अन्य विद्धतजन प्रतिभाग कर कृषकों की समस्याओं के विभिन्न आयामों एवं रणनीति पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने बताया कि भारतीय मृदा संरक्षण समिति यू पी चैप्टर तथा विश्वविद्यालय के भूमि एवं जल प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय 32वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में कैलाश भवन के प्रेक्षागृह में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन टिकाऊ कृषि और आजीविका सुरक्षा हेतु मृदा जल और ऊर्जा प्रबंधन विषय पर आयोजित किया जा रहा है। डॉक्टर कुमार ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं अन्य अतिथियों द्वारा 18 अक्टूबर को प्रातः 10.30 बजे विश्वविद्यालय स्थित कैलाश भवन में संपन्न होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति

डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की जाएगी। उन्होंने बताया कि उद्घाटन सत्र के उपरांत तकनीकी सत्र तीन कक्षों में प्रारंभ होगा। जिसमें देश एवं प्रदेश के मृदा एवं जलप्रबंधन के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण करेंगे। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के लगभग 300 से अधिक वैज्ञानिक तथा प्रगतिशील किसान उपस्थित रहेंगे तथा इस अवसर पर मृदा एवं जल संरक्षण पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस अवसर पर डा.टीबीएस राजपूत, अध्यक्ष एससीएसआई, नई दिल्ली, डा0 एस0एस0 ग्रेवाल, पूर्व निदेशक, पीएयू, लुधियाना,डा0 आर0के यादव, निदेशक, सीएसएसआई करनाल, डा0 नीलम पटेल, नीति आयोग, नई दिल्ली आदि वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित रहेंगे।

हिंदुस्तान 18/10/2024

किसान मेले से पहले ही बिक गए 23 लाख के बीज

उपलब्धि

■ अभिषेक सिंह

कानपुर। गेहूं, मटर, राई, सरसों. समेत विभिन्न सब्जियों के उन्नत बीजों की मांग सिर्फ कानपुर नहीं बल्कि प्रदेश और देशभर में है। अधिक पैदावार और जलवायु परिवर्तन के साथ रोगों से बचाव को ध्यान में रखते हुए किसान बाजार के बजाए विवि के बीजों पर अधिक भरोसा करते हैं, जिसका परिणाम देखने को मिल रहा है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से लगने वाले किसान मेला से सात दिन पहले ही 23 लाख रुपये के बीज बिक गए हैं। इसमें सबसे अधिक बिक्री सब्जी मटर, सरसों के बीज की हुई है।

सीएसए विवि के वैज्ञानिकों की देखरेख में किसान रबी की फसल के बीज तैयार करते हैं। ये बीज उत्पादन में अधिक, रोगों से मुक्त, जलवायु परिवर्तन में भी अन्य की अपेक्षा सक्षम होने के साथ गुणवत्तायुक्त पैदावार देने वाले होते हैं। विवि की ओर से इन बीजों की वृहद बिक्री किसान मेला में की जाती है।मेला इस बार 24 व 25 अक्तूबर को विवि कैम्पस में लगेगा। मेला से पहले बीज की बिक्री हर साल की तरह शुरू कर दी गई है। मगर पिछले वर्षों में मेले से पहले बीज की बिक्री का ग्राफ दो से तीन लाख रुपये तक ही रहता था। मगर इस साल 23 लाख से अधिक पहुंच गया है, जबकि अभी मेला को सात दिन बाकी है। केंद्र से चल रही बिक्री में सबसे अधिक मांग मटर की एपी-3 प्रजाति की है। विवि से जुड़े लोगों ने बताया कि जिस तरह से बिक्री हो रही है, मेले तक मटर व सरसों के बीज बचना मुश्किल हैं।

बीज बिक्री से पहले ही कमाए 2.30 लाख

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने बीजों की बिक्री से पहले ही 2.30 लाख रुपये की कमाई कर ली है। विवि प्रशासन ने पहली बार बीज बिक्री के लिए कंपनियों को मेंबरशिप प्रदान की है। मेंबरशिप का शुल्क 10 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। विवि में पिछले 10 दिन में 23 कंपनियों ने मेंबरशिप लेकर 2.30 लाख रुपये शुल्क जमा कर दिया। विश्वविद्यालय में गेहूं, सरसों, राई, मटर, सब्जियों के उन्नत बीच की बिक्री मेले से पहले विवि के बीज एवं प्रक्षेत्र केंद्र से भी की जाती है। किसानों के बीच इन बीजों की मांग बहुत है। बड़ी संख्या में किसान कानपुर आने के बजाए अपने क्षेत्र में ही बीज खरीदना पसंद करते हैं। ऐसे में ये निजी कंपनियां विवि का बीज खरीद करती हैं। मगर अब तक निजी कंपनियों को बीज खरीद के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी।

> विवि के उत्कृष्ट बीजों की मांग देशभर में है। लगातार किसान व निजी कंपनियां मेंबरशिप लेने के बाद बीजों की खरीदारी कर रही हैं। रिकार्ड 23 लाख रुपये के बीजों की बिक्री हो चुकी है। डॉ. विजय कुमार यादव, निदेशक-बीज एवं प्रक्षेत्र (सीएसए विवि)

> विवि में बीजों की बिक्री चल रही है। पहली बार निजी कंपनियों को मेंबरशिप प्रदान करके बीज बिक्री की जा रही है। राजस्व बढ़ा है। डॉ. आनंद कुमार सिंह, कुलपति-सीएसए विवि